हिन्दू-मुस्लिम एकता

(ऐतिहासिक संदर्भ में)

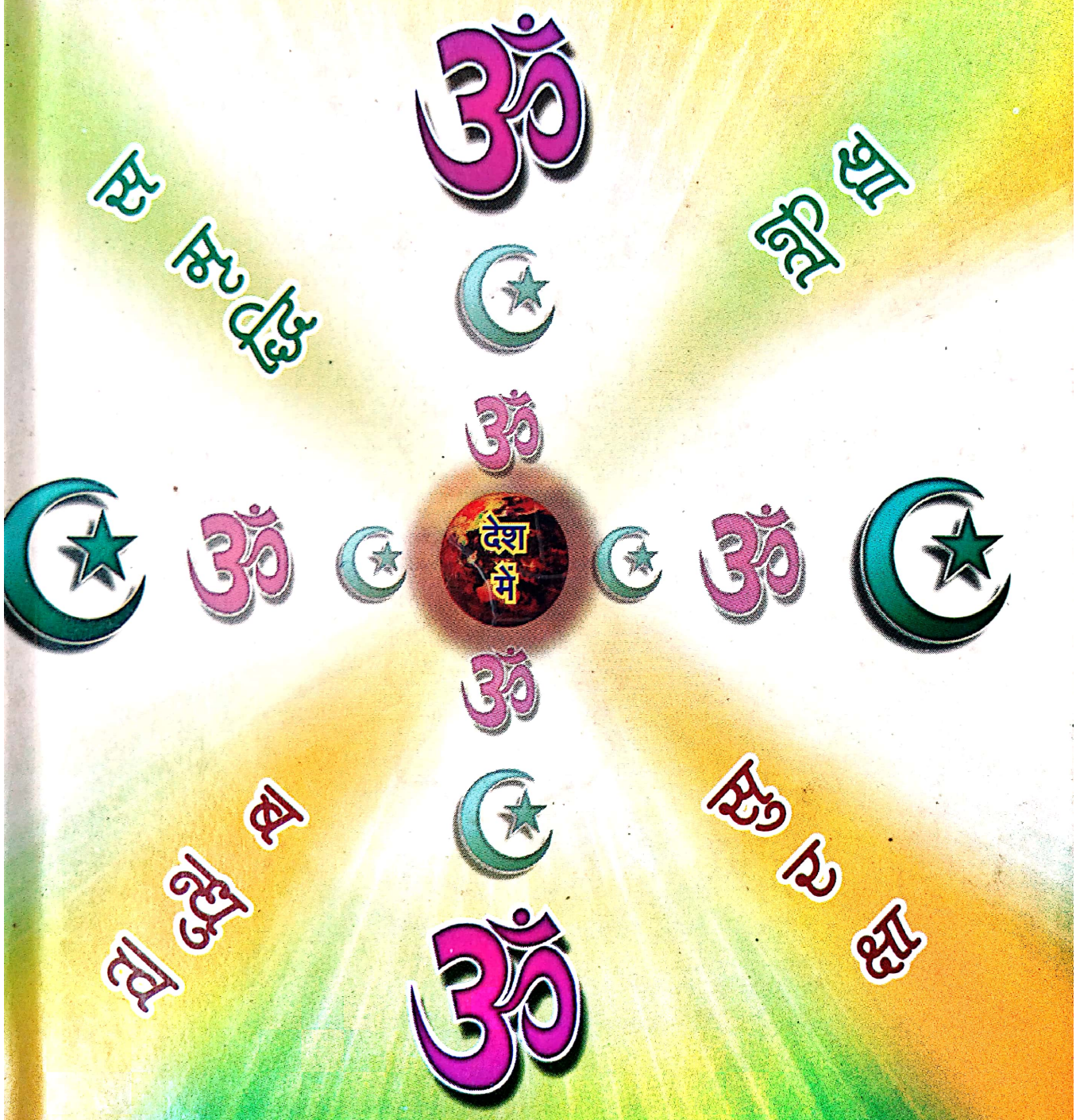

डॉ० कैलाश बिहारी द्विवेदी

Scanned with OKEN Scanner

यह पुस्तक क्यों ?

मैं एक छोटा-सा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी एवं दल निरपेक्ष स्वतन्त्र चिन्तक हूँ। देश की उन्नति और अवनति या विपथगमन से मेरा मन सुखी-दुःखी होता है। आज हमारा राष्ट्रीय चरित्र बहुत कुछ खो रहा है। मैंने अपने मन की दुःखभरी चिन्ता को अपने समान चिन्तकों के साथ बाँटने को अपने विचार इस पुस्तक में प्रकट किये हैं।

देश स्वतन्त्र हो जाने के बाद जिस दिशा में प्रजातान्त्रिक पद्धति के नाम पर हमारी सरकारें चल रही हैं, उस पर एक सिंहावलोकन जरूरी है। यह माना जा सकता है कि देश की काफी भौतिक उन्नति हो गयी है, किन्तु क्या यह भी देखा जा रहा है कि उन्नति के नाम पर हमारे देश में बेरोजगारी का आँकड़ा क्यों साल-दर-साल बढ़ रहा है? राजनीति करने वालों की नवसामन्ती बिरादरी क्यों बनती जा रही है? देश में साम्प्रदायिक, जातीय?, भाषायी, क्षेत्रीय विद्वेष क्यों बढ़ रहे हैं? इस साम्प्रदायिक विद्वेष में सबसे अधिक खतरनाक है हिन्दू-मुस्लिम विद्वेष। इसे राजनैतिक फैशनवश बोलने में छुपाया जाता है और राजनैतिक स्वार्थ सिद्ध करने के लिए उभारकर इस्तेमाल किया जाता है। मैं यह भी चाहता हूँ कि हिन्दू-मुस्लिम एकता; जो आज देश की सुख-शान्ति के लिए सबसे बड़ी जरूरत है। उसको दोनों पक्ष गंभीरता से महसूस करें और स्वार्थी राजनीतिज्ञों की कुटिल चालों से मुक्त होकर परस्पर टकराव से बचते हुए देश को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाने की कोशिश करें।

पुस्तक में कुछ प्रवृत्तियों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य दिया गया है। उसमें कालक्रम पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। विशेष ध्यान केवल इस बात पर दिया गया है कि इन ऐतिहासिक प्रवृत्तियों ने देश के समग्र चिन्तन और संगठन (अखण्डता) को किस तरह प्रभावित किया है तथा समकालीन (वर्तमान) इतिहास का कैसा निर्माण हो रहा है?

डॉ० कैलाश बिहारी द्विवेदी

Scanned with OKEN Scanner

ISBN 81-89384-19-8

प्रकाशक	: कृष्णा पब्लिशिंग हाउस ग्राम व पोस्ट स्लीमनाबाद, जिला कटनी (म० प्र०)
प्रशासनिक कार्यालय	: कृष्णा पब्लिशिंग हाउस १८०/२८ए, अल्लापुर, इलाहाबाद-२११००६
सर्वाधिकार	: डॉ० कैलाशबिहारी द्विवेदी
संस्करण	: प्रथम, २०१०
अक्षर संयोजन	: लिपि मित्रा ५ डी रोड, चन्द्रलोक सिनेमा हॉल के पीछे, इलाहाबाद-३
मुद्रक	: भार्गव प्रेस १, बाई का बाग, इलाहाबाद-२११००३
मूल्य	: तीन सौ (३००.०० रुपये मात्र)

नोट-इस पुस्तक में सभी लेख, साक्ष्यों एवं ऐतिहासिक प्रमाणों के आधार पर लेखक ने अपने मन की दुःखभरी चिन्ता को प्रस्तुत किया है। यह विचार एवं सोच लेखक का अपना (स्वयं का) है। इससे प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यदि किसी भी प्रकार का विवाद हुआ तो उसका निस्तारण इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

-प्रकाशक

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

१—प्राचीनकाल में मध्य एशियाई देशों से भारत के सम्बन्ध १३-१६

२—भारत में हिन्दू मुस्लिम सम्बन्धों में भयानक मोड़ १७-५१

(१) मोहम्मद बिन कासिम १८

(२) महमूद गजनवी २१

(३) शहाबुद्दीन मोहम्मद गौरी २५

(४) गुलाम सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक २७

(५) इल्तुतमिश २८

(६) बलबन ३२

(७) जलालुद्दीन और अलाउद्दीन खिलजी ३२

(८) फिरोजशाह तुगलक ३६

(९) सिकन्दर बुतशिकन ४०

(१०) सिकन्दर लोदी ४१

(११) मुगल बादशाह बाबर ४५

(१२) औरंगजेब ४५

३—सूफियों के द्वारा इस्लामीकरण तथा कबीर के हिन्दू-मुस्लिम एकीकरण का प्रयास ५२-६८

(१) स्फुट प्रसंग ५२

(२) अमीर खुसरो ५८

(३) अब्दुल वाहिद बिलग्रामी ६२

(४) कबीर दास ६३

(५) जायसी ६५

Scanned with OKEN Scanner

४—शासकों के शान्ति प्रयास ६९-८७
(१) सुल्तान जैनुल आबेदीन (कश्मीर) ६९
(२) ग्वालियर के तोमर वीरसिंह देव, डूँगरेन्द्र सिंह, मानसिंह ७२
(३) बादशाह अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ ७५
५—हिन्दू मुस्लिम एकता में मुसलमान कवियों का कृतित्व ८८-१०१
६—मुगल साम्राज्य का पूर्ण पतन और अंग्रेजों का अभ्युदय १०२-११४
७—आजादी का अभियान, देश और समाज का विखण्डन ११५-१२९
८—सरकार की ऐतिहासिक भूलें १३०-१६२
९—मुस्लिम तुष्टीकरण और वोटों की राजनीति १६३-१७३
१०—उपसंहार १७४-१७७
११—परिशिष्ट-एक १७८-१८३
" -दो १८४-१८६
" -तीन १८७-१८८
१२—सन्दर्भ ग्रन्थ सूची १८९-१९२

● ● ●

Scanned with OKEN Scanner

लेखक-परिचय

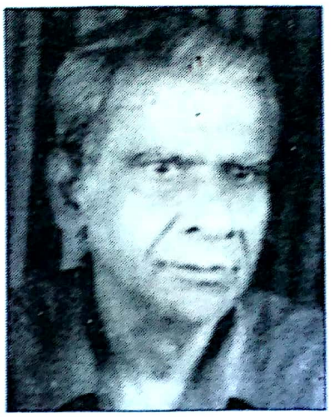

नाम - **डॉ० कैलाश बिहारी द्विवेदी**

माता-पिता - स्व० मानकुँवर देवी, स्व० धरणीधर द्विवेदी (पिता स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में सक्रिय)

जन्म - ११ अगस्त, १९३०, सागर (म.प्र.)

शिक्षा - एम०ए० (हिन्दी), एम० ए० (भाषा विज्ञान) पी०ऍच०डी०, बी०ऍड०

पुरस्कार एवं सम्मान - बुन्देली शब्दकोश पर महाकवि केशव पुरस्कार, केशव शोध संस्थान, ओरछा; रावबहादुर सिंह बुन्देला पुरस्कार, बुन्देली विकास संस्थान, बसारी, छतरपुर, (म०प्र०) द्वारा सरत साहित्य-शेषप्रश्न (उपन्यास) पर राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार; हिन्दी क्षेत्र की प्रोतसाहक संस्था श्री वीरेन्द्र केशव साहित्य परिषद (ओरछा राज्य), टीकमगढ़ (म०प्र०) के हीरक जयन्ती समारोह के अवसर पर संस्था द्वारा 'मेरा अमृत महोत्सव' एवं 'बुन्देली वागीश' की उपाधि से सम्मानित, बुन्देलखण्ड शोध संस्थान झाँसी द्वारा सारस्वत सम्मान, डॉ० भगवान दास गुप्त शोध संस्थान झाँसी द्वारा अमृत सम्मान, (म०प्र०) श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा पं० बनारसी चतुर्वेदी अवार्ड २००७ तथा अन्य अनेकों संस्थाओं द्वारा सम्मानित।

अन्य - स्वतंत्रता संग्राम सेनानी।

प्रकाशित रचनाएँ - बुन्देली : एक भाषा। वैज्ञानिक अध्ययन (सह लेखक), हिन्दी व्याकरण एवं काव्यांग, बुन्देली शब्दकोश, बुन्देली लोक साहित्य में कहावतें एवं मुहावरे। पुस्तकों, स्मारिकाओं, पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित तथा आकाशवाणी से प्रसारित विविध विषयों पर निबन्ध लगभग दो सौ। सामायिक विषयों पर अखबारों में लेख।

सम्पादन - स्मारिकाएँ-विन्ध्या, सरदार सिंह स्मृति स्मारिका।
पुस्तकें - पं० बनारसी दास चतुर्वेदी : शताब्दी स्मरण, बुन्देलखण्ड की विरासत : ओरछा, बुन्देलखण्ड प्रकृति और पुरूष (प्रे० ना० रूसिया अभिनन्दन ग्रंथ), पं० कृष्ण किशोर द्विवेदी अभिनन्दन ग्रंथ, बुन्देलखण्ड : इतिहास एवं संस्कृति।

सम्प्रति - व्याख्याता पद से सेवा निवृत्त। लोक साहित्य - संस्कृति तथा लोक जीवन पर प्रमुख रूप केन्द्रित शोध एवं लेखन।

मूल निवास - बानपुर, जिला- ललितपुर (उ० प्र०)।

स्थायी पता - पुरानी नजाई (बानपुर दरवाजा), टीकमगढ़ म०प्र० पिन- ४७२००१
फोन - ०७६८३-२४०७५०।

Scanned with OKEN Scanner